Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 15-05-2007

Participants : Athawale Shri Ramdas

>

Title: Need to conduct caste based census in January, 2008.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : सभापति महोदय, सन् 2001 में जो जनगणना हुई थी, उसके मुताबिक हमारे देश की पौपुलेशन सौ करोड़ से ज्यादा है। 1931 में जाति के आधार पर जनगणना हुई थी। 2001 की जनगणना के अनुसार शैडयूल्ड कास्ट्स की पौपुलेशन 16.2 प्रतिशत और शैडयूल्ड ट्राइब्स की 8.2 प्रतिशत है। अभी हमने देखा कि जब आईआईटी और आईआईएम में ओबीसी स्टूडैंट्स को आरक्षण देने का वक्त आया तब सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि 1931 में अगर जाति के आधार पर जनगणना हुई थी तो अब कौन सी पौपुलेशन के आधार पर 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट का कहना ठीक था कि जब 1931 में जनगणना हुई थी तब कुछ लोगों ने औब्जैक्शन किया था कि जाति के आधार पर जनगणना करने से जाति व्यवस्था बिगड़ सकती है। मेरा भारत सरकार से अनुरोध है कि कौन सी जाति की पौपुलेशन कितनी प्रतिशत है, इसकी जानकारी के लिए 2011 में होने वाली जनगणना जनवरी, 2008 में की जाए। अगर वह जनगणना जाति के आधार पर की जाती है तो हर जाति की परसैंटेज की जानकारी मिलेगी। मैं कहना चाहता हूं कि जाति के आधार पर जनगणना करने से जातिवाद बढ़ेगा, ऐसा नहीं है। गांव-गांव में लोग जानते हैं कि यहां दलित रहते हैं, यहां मराठा रहते हैं, यहां राजपूत रहते हैं और यहां जाट रहते हैं। इसलिए कौन्सटीट्यूशन अमैंडमैंट करके 2011 की जनगणना जनवरी, 2008 में जाति के आधार पर की जाए।